

राजकीय इन्जीनियरिंग कालेज

ग्राम : एकबालपुर, पो०-देवगाँव, आजमगढ (उ० प्र०) - 2762 0 1 भारत

Rajkiya Engineering College

Vill.: Akbalpur, Post: Deogaon, Azamgarh (U.P.) - 276201 India AICTE APPROVED GOVERNMENT ENGINEERING COLLEGE

Affiliated to Dr. A.P.J. Abdul Kalam Technical University Lucknow, U.P. India

Website : Email:

www.gecazamgarh.ac.i registrar@gecazamgarh.ac.ir

Office Order

As per the AICTE norms and for prevention of Ragging in the campus, the competent authority has been pleased to approve Following Anti Ragging Committee for the institute:-

Name	Profession	Organization	Address	Mobile	E-mail
Prof. B.K. Tripathi	Director	Rajkiya Engineering College, Azamgarh	Rajkiya Engineering College, Azamgarh	7081209751	director@gecazamgarh.ac.in
Dr. Anoop Narain Singh	Chief Proctor & Head, CED	Rajkiya Engineering College, Azamgarh	Rajkiya Engineering College, Azamgarh	8745883666	anoopnarian 1407/@gmail.com
Dr. Pramod Kumar Srivastava	Dean Student Welfare	Rajkiya Engineering College, Azamgarh	Rajkiya Engineering College, Azamgarh	7011899051	pramodksrivastava24042004@gmai Lcom
D.M. Azamgarh or representatives	District Magistrate	State Govt.	DM Residence, Azamgarh 276001	9454417521	dmaza@up.nic.in
CO Lalganj	Circle Officer, Lalganj	State Govt.	Lalganj	9454400250	spazah@up.nic.in
Dr. Vineet Srivastava	Head, ASHD	Rajkiya Engineering College, Azamgarh	Rajkiya Engineering College, Azamgarh	7217777498	vineeitbhu@gmail.com
Dr. Tauseef Ahmad	Head, ITD	Rajkiya Engineering College, Azamgarh	Rajkiya Engineering College, Azamgarh	8077762035	tauseefahmad@zhcet.ac.in
Mr. Vibhooti Narain Mishra	Head, MED	Rajkiya Engineering College, Azamgarh	Rajkiya Engineering College, Azamgarh	9755190134	vibhooti1810@gmail.com

All members are requested to provide their full support for the same.

Ambruig Registrato 1/2-4

Date 12/07/2021

Ref No: REC Azamgarh/ LO 101/2021 Copy for kind information and needful please.

- 1. Concerned Faculty Members.
- 2. All Hods/Section Officers.
- 3. Notice Boards.



राजकीय इन्जीनियरिंग कालेज, देवगाँव, आजमगढ़ (उ०प्र०) भारत

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रकाशित ''उ०प्र०'' शैक्षणिक संस्थानों में रैगिंग प्रतिषेध अधिनियम –2010'' के सम्बन्ध में जारी अधिसूचना संख्या : 400/79-वि-1-10-1(क)-11-2010 के द्वारा संस्थान के भीतर एवं बाहर रैगिंग पूर्णतया प्रतिषेदित है।

रैगिंग क्या है?

'रैगिंग का तात्तर्य किसी विद्यार्थी से कोई ऐसा कार्य करने या ऐसे कृत्य का सम्पादन करने के लिए कहे जाने, शब्दों, इशारों या संकेत द्वारा किसी ऐसे कार्य को कराने, प्रलोभन देने, विवश करने, दबाव डालने से हैं, जिससे किसी भी प्रकार से मानव गरिमा का हस होता हो या जिससे वह उपहास, अभित्रास परिरोध से पीड़ित होता हो और उसे क्षति पहुँचाने उसे किसी प्रकार की धमकी या अभित्रास देने, अन्यायपूर्ण नियंत्रण, अन्यायपूर्ण परिरोध करने या क्षति पहुँचाने या उस पर आपराधिक बल प्रयोग करने से हैं।

दण्ड का प्राविधान

- 1. अधिनियम के अनुसार जो कोई प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी शैक्षणिक संस्थान के भीतर या उसके बाहर रैगिंग करता है, उसमें भाग लेता है, दुष्प्रेरित करता है या उसका प्रचार करता है, उसे दो वर्ष तक के किसी भी प्रकार के कारावास या रूपये दस हजार तक के जुर्माना या दोनों से दिण्डत किया जायेगा।
- 2. अधिनियम की धरा-5 के अधिन अपराध के लिए दोष सिद्ध किसी छात्र को विवर्जन के दिनांक से ऐसी अविध के लिए जो पाँच वर्ष तक हो सकती है, किसी शैक्षणिक संस्था में दाखिल नहीं किया जायेगा।
- 3. शासनादेश संख्या : 2336/सोलह-1-2008-1-250/96टीसी, दिनांक 27 जुलाई, 2010 के अनुसार संस्थानों में इस प्रकार की घटनाओं में दोषी पाये जाने वाले छात्रों पर नियमानुसार कठोरतम कार्यवाही, उनके दोष के आधार पर छात्रावास से निष्कासन, संस्थान से निलम्बन, जी०पी० मार्क में कटौती, मेस से निलम्बन एवं स्कालरिशप बन्द किए जाने की कार्यवाही की जायेगी।

कृपया रैगिंग की किसी गतिविधि में संलिप्त न होते हुए इस विद्यालय को रैगिंग मुक्त परिसर बनाये रखने में अपना महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान करें।

Prof B.K. Tripathi Director राजकीय इन्जीनियरिंग कालेज, देवगॉव,आजमगढ, (उ०प्र०), भारत

RAJKIYA ENGINEERING COLLEGE, DEOGON, AZAMGARH (UP) India

Ragging is Strictly Prohibited

What is Ragging??

Any disorderly conduct whether by words spoken or written or by an act which has the effect of teasing, treating or handling with rudeness any junior student, indulging in rowdy or indiscipline activities which causes or is likely to cause annoyance, hardship or psychological harm or to raise fear or apprehension thereof in fresher of a junior student or asking the student (s) to do or perform something which the student will not do in ordinary course and which has the effect of causing or generating sense of shame or embarrassment so as to adversely affect the psyche of a fresher or junior. The case of indulging in ragging is a desire, a sadistic pleasure or showing off power, authority or superiority by seniors over the fresher's.

Hon'ble Supreme Court of India

APPEAL:

PLEASE DO NOT INDULGE IN RAGGING AND HELP IN MAINTAINING IT AS A RAGGING FREE CAMPUS